वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

प्रकृति कार्यक्रम

केंद्रीय विद्यालय, नामकुम, रांची

दिनांक
30.01.2023

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के एक दल श्री निसार आलम, श्री बी.डी.पंडित, श्री करम सिंह मुण्डा एवं श्री जितू तिर्की द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव काल में दिनांक 30.01.2023 को केंद्रीय विद्याल्य नामकुम में **प्रकृति** कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल जीवन एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे विद्यालय के प्राचार्य श्री सोभित कुमार, शिक्षक श्री धनंजय कुमार, श्री रणधीर कुमार एवं अन्य के साथ लगभग 150 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री धनंजय कुमार शिक्षक के स्वागत के साथ किया गया जिसमे विद्यालय के विद्यार्थियों को कार्यक्रम की आवश्यकता बताया गया तथा अनुशासन एवं धैर्यपूर्वक कार्यक्रम से लाभ लेने का आग्रह किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री करम सिंह मुण्डा, तकनीकी सहायक ने संस्थान का परिचय कराते हुए संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून एवं केंद्रीय विद्यालय समिति के द्वारा सम्पन्न ज्ञापन समझौता का उल्लेख करते हुए पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम की आवश्यकता एवं इसमे संस्थान की भूमिका से अवगत कराया। उन्होने खाद्य श्रृखला द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता पर विस्तार से प्रकाश डाला। पर्यावरण प्रदूषण से घटित घटनाओं का भी उल्लेख किया।

श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण की महत्ता को विस्तार से बताया। उन्होने बताया कि तीव्र बढ़वार वाले वृक्षों का चयन किया जाना चाहिए ताकि जल्द से जल्द वनाच्छादन बढ़ाया जा सके। इस कड़ी में बांस रोपण की भी चर्चा की एवं कोविड काल का भी जिक्र किया।

प्राचार्य के निर्देश पर श्री धनंजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं इस तरह के कार्यक्रम को भविष्य में जारी रखने का आग्रह किया। संस्थान की ओर से तकनीकी सहायक श्री करम सिंह मुण्डा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रकृति कार्यक्रम,केंद्रीय विद्यालय, नामकुम, रांची

30.01.2023

श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने प्रकृति प्रदत हवा एवं पानी की विकट स्थिति को समझाते हुए बताया कि वह दिन दूर नहीं की पानी की तरह भविष्य में हमे हवा भी वृहत रुप में खरीदना पड़े। वायुमण्डल के विभिन्न परतों की चर्चा करते हुए उन्होने क्षोभ मण्डल में उपस्थित भारी गैर कार्बन डायाआक्साइड की विकट स्थिति से निपटने के उपाय बताए। वाहन का उपयोग कम कर जैविक संसाधन का उपयोग, स्वच्छता, वन-वर्धन आदि उपायों को अपनाकर कार्बन को कम किया जा सकता है। जल समस्या के निदान के लिए Water harvesting, Recharge pits की व्यवस्था का सुझाव दिया। श्री पंडित ने बताया कि प्रकृति के अनुकूल जीवन की दिनचर्या को अपनाने से स्वत: पर्यावरण संतुलन की ओर कदम बढ़ जायेगा। स्वस्थ्य जीवन का मूल आधार “आहार” एवं व्यवहार को मनुष्य अपनी प्रकृति के अनुसार आहार और

आयोजित कार्यक्रम सम्मलेन की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची